RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 39 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 4 मार्च 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

11वां आनन्द बल्लभ स्मृति समारोह सम्पन्न

हिमालयी संस्कृति को बचाना होगा

कार्यालय प्रतिनिधि

हल्द्वानी। वरिष्ठ कथाकार-पत्रकार स्व. आनन्द बल्लभ का 11वां स्मृति समारोह में हिमालयी संस्कृति को बचाने की मुहीम में जुटने की अपील की गई। इस अवसर पर जन सरोकारों से जुड़े 12 लोगों को आनन्दश्री सम्मान दिया गया। पीलीकोठी स्थित हरगोविन्द सुयाल इण्टर कालेज के केशव सभागार में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ रेलवे के उच्चाधिकारी रहे मंगल

शेष पृष्ठ 5 पर

रुतवा पहले से रहा है मलिक का, दावत खाने जुटती थी भीड़

अमा जे का हैरिया हैगा, लम्बर लग रिया है....

पि.हि.प्रतिनिधि

हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में हुए उपद्रव के दिनों से सबसे ज्यादा चर्चा अब्दुल मलिक की हो रही है। शहर के पुराने लोग तो जानते ही हैं कि मलिक करोड़पति है और उसकी दखल प्रदेश से बाहर भी रही है। कुछ साल मलिक का हल्द्वानी में चुपचापी से रहना शहर में बस रहे नये लोगों को पता नहीं होगा कि अब्दुल मलिक कितना ताकतबर है।

अपने युवापन में ही मलिक कारोबार से जुड़ने के साथ ही दबंग था। इसका प्रेम-व्यवहार देख कोई अंदाज नहीं लगा सकता कि यह व्यक्ति कितने प्रकार के धन्धों में लिप्त है। अपने साथियों के साथ कैरम खेलते समय इनका रौब दिखता था। खेल वाले स्थान पर जितने लोग हों सबके लिये नाश्ता-पानी की व्यवस्था मलिक करवा देता। कैरम में गोटियां डालते समय कहता- 'अमां जे का हैरिया हैगा, लम्बर लग रिया है।' मलिक के पीछे चलने वाले शुरु से रहे

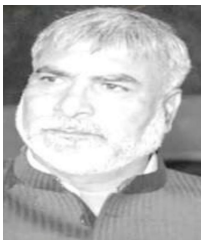

हैं। समय-समय पर किसी बड़े नेता को बुलाकर अपने आवास में बड़ी दावत भी मलिक करवाता रहा है, जिसमें हर तरह के लोग सम्मिलित होते थे।

इस समय जब मलिक को लेकर पर्तें खोली जा रही हैं तो पता चल रहा है कि वह कितना ताकतबर रहा है। बनभूलपुरा उपद्रव के बाद उसके गायब होते ही पुलिस लगातार ढूंढ करती रही। नगर निगम ने 2.68 करोड़ की आरसी जारी कर दी। भगोड़ा घोषित होने के साथ ही अब्दुल मलिक के घर पर नोटिस चस्पा किये गये।

इस बीच उपद्रव के मामले में लगातार आरोपियों की गिरफ्तारी हो रही है। अलग अलग दिनों पकड़े गये आरोपियों की संख्या 78 हो चुकी है। इन पर पथराव, आगजनी, मारपीट के आरोप हैं। राजनीतिक गलियारों में गहरी पैठ रखने वाले मलिक को पकड़ने के लिये पुलिस ने कई दिनों से पहरा लगाया और कहा जा रहा है कि उपद्रव वाले दिन वह हल्द्वानी में था। लाइन नम्बर आठ

शेष पृष्ठ 2 पर

मलिक का नाम आते ही पुरानी यादों पर लौटे मतीन

भाई रऊब का हत्यारा बताते हुए जाँच की मांग

पि.हि.प्रतिनिधि

हल्द्वानी। बनभूलपुरा उपद्रव में युवा नेता जाबेद की पकड़ के बाद समाजवादी पार्टी के नेता अब्दुल मतीन सिद्दकी का दर्द छलकने लगा और उन्होंने बयान जारी करते हुए कहा कि पूरे प्रकरण की सीबीआई या हाईकोर्ट के सीटिंग जज के द्वारा जाँच होनी चाहिये।

8 फरवरी को हुई हिंसा और आगजनी के बाद सपा के नेता और उत्तराखण्ड के प्रभारी हाजी अब्दुल मतीन सिद्दकी ने मलिक के बगीचे की घटना की कड़े शब्दों में निन्दा करते हुए कहा कि हल्द्वानी वासियों के साथ-साथ हमारे लिये यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण घड़ी है कि हमें हल्द्वानी में अपनी जिन्दगी में इस तरह की घटना देखनी पड़ी। कहा- जो भी दोषी हों उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही होनी चाहिये। जोवेद सिद्दकी के इस प्रकरण में शामिल होने के प्रश्न वह वह कहते हैं कि जावेद ने ऐसा कोई कार्य नहीं किया है जिससे शहर का माहौल खराब हो। उसने बार-बार लोगों से शान्ति बनाने की अपील की लेकिन भीड़ इतनी

उग्र हो चुकी थी कि वह किसी की बात सुनने को तैयार नहीं थी। वैसे भी अगली रात को जब पुलिस जावेद को गिरफ्तारी के लिए आई थी। तब भी उसने फोन पर मुझसे रो-रो कर अपने बच्चों की और मेरी कसमें खाकर यही कह रहा था कि मैं तो लोगों को हुड़दंग करने से रोक रहा था। लेकिन फिर भी प्रशासन ने पता नहीं किन हालातों या किन फटेजों के आधार पर उसकी गिरफ्तारी की है। लेकिन मुझे इस बात का विश्वास है कि अगर उसने अपने बच्चों के साथ मेरी भी कसम खाते हुए ये बात कर रहा है। पिता के इन्तकाल के समय जावेद की उम्र महज ढाई साल थी। और मैंने भाई-बहनों को अपनी सन्तान की तरह पाला है।

हाजी अब्दुल मतीन घटना में मलिक का नाम आते ही पुरानी यादों में लौट चुके हैं और कहते हैं उनकी भाई का हत्यारा रहा है, जाँच होनी चाहिये। उल्लेखनीय है कि अब्दुल रऊफ उभरता हुआ जननेता था लेकिन उसकी हत्या कर दी गई जिसमें मलिक का नाम भी उछला था। इसके बाद मतीन और जाबेद में घर को संभालते हुए राजनीति के क्षेत्र में भी अपने को स्थापित रखा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

कोई भी अब्दुल मलिक एक दिन में नहीं बन जाता है

हल्द्वानी के जाने-माने अब्दुला परिवार का 'अब्दुल मलिक' की पकड़ के बाद उसकी तार-तार जाँच हो रही है और उसके कारोबारों की गणना करने के साथ ही हर आम-खास चटकारे लेते हुए हर दिन इससे जुड़ी नई कहानी जानने को इच्छुक है। इस प्रकार के मामलों में यही सब होता रहा है।

गलत को गलत ही कहा जायेगा लेकिन यह भी जान लेना चाहिये कि कोई भी अब्दुल मलिक एक दिन में नहीं बन जाता है। प्रतिष्ठित अब्दुला परिवार का नाम हल्द्वानी के इतिहास में बंजारा बिरादरी के रूप में जाना जाता है और इनकी ईमानदारी के किस्से कहे जाते थे। इसी परिवार की फैलती शाखाओं में अलग-अलग प्रकार के कारोबार भी बढ़ते चले गये, जिसमें अब्दुल मलिक ठेकेदारी क्षेत्र में आगे बढ़ गया। ठेकेदारी करते हुए इसकी पकड़ बड़े नेता-अधिकारियों से होती रही। तेज-तर्रार मलिक ने चेले भी बना रखे थे और सरकारी जमीन खरीद-फरोख्त भी करने लगा। पहले से ही परिवार की पृष्ठभूमि, ऊपर से अनाप-सनाप पैसा और पकड़ को देखते हुए आम आदमी तो 'मलिक साहब' ही कह पाता था। इसमें दोषी वह लोग हैं जो गलत को पनाह देते रहे और मलिक इस दिशा में बढ़ता चला गया।

जिस मलिक को पकड़ने के बाद तरह-तरह की कहानियां सुनी और सुनाई जा रही हैं, उसे आगे बढ़ाने के लिये कौन दोषी है? अब्दुल रऊफ हत्याकाण्ड में भी मलिक का नाम आया था लेकिन सबकुछ धुल गया। इसकी ठेकेदारी की आड़ में कई चेहरे हैं जो अपने धन्धे करते रहे। अब जबकि मलिक पूरी तरह से बेनकाब हो चुका है, कहानी उलट है।

सवाल किसी की भी उलट-सुलट कहानी का नहीं है। सवाल यह है कि किसी भी व्यक्ति को इस तरह का बनने ही क्यों दिया जाए। मलिक जितना बेखौफ बन चुका था, आज तक क्यों नहीं इसके खेल को रोका जा सका? यह तो साफ हो चुका है गड़बड़ का परिणाम भी मिल ही जाता है।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

सुप्रीम कोर्ट में अब न्याय के साथ इलाज भी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में अब लोगों को न्याय के साथ-साथ इलाज भ्झी मिल सकेगा। भारत के प्रधान न्यायधीश (सीजेआई) डी.वाई. चन्द्रचूड़ ने शीर्ष अदालत के परिसर में आयुष होलिस्टिक वेलनेस सेन्टर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि हमारे पास 2000 से अधिक कर्मचारी हैं। हमें न केवल न्याया-धीशों और उनके परिवारों बल्कि पूरे स्टाफ सदस्यों के जीवन जीने के तरीके को देखना चाहिये। उन्होंने आयुष के सभी डाक्टरों का आभार जताया।

नीट-यूजी : विदेशी शहरों में होगी प्रवेश परीक्षा

मेडिकल के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 5 मई को 14 विदेशी शहरों के परीक्षा केन्द्रों पर भी जायोजित की जायेगी। एनटीए के उम्मीदवारों से अनुरोध मिलने के बाद इस कदम को उठाया गया। क्योंकि इन महीने में शुरुआत में परीक्षा के सबन्ध में जारी सूचना बुलेटिन में परीक्षा देने के लिये भारत के बाहर केन्द्रों का कोई उल्लेखन नहीं था।

ब्रिटेन ने यूक्रेनियाई नागरिकों का वीजा बढ़ाया

ब्रिटेन की सरकार ने रूस-यूक्रेन संघर्ष के मद्देनजर देश में शरण लेने आए यूक्रेनियाई नागरिकों के लिये शुरू वीजा योजना की मियाद बढ़ाई है। इसके साथ ही युद्धग्रस्त देश से आए यूक्रेनियाई नागरिक समान शर्तों पर ही मौजूद मियाद खत्म होने के बाद भी 8 महीने तक देश में रह सकेंगे।

पूर्व थाई पीएम थाकसिन पेरोल पर रिहा

थाइलैंड के दोषी पूर्व प्रधानमंत्री शिनावात्रा को स्वनिर्वासन से देश लौटने के 6 महीने बाद पेरोल पर रिहा कर दिया गया। थाई प्रधानमंत्री श्रेथा थविसिन ने पहले कहा था कि थाकसिन की पेरोल पर रिहाई कानून के अनुरूप थी।

भारतीय रेस्तरां प्रबंधक पर प्रतिबन्ध

पूर्व इंग्लैण्ड में एक भारतीय रेस्तरां के प्रबन्धक पर बांग्लादेश से तीन श्रमिकों की अवैध भर्ती करने के लिये कम्पनी के निदेशक के रूप में सात साल का प्रतिबन्ध लगाया गया है। इकबाल हुसैन (51) ने हार्टफोर्डशायर के स्टैनटेड एबीट्स क्षेत्र में स्थित टेस्ट आफ राज' में श्रमिकों को काम पर रखा था।

नियमित नियुक्ति को हाईकोर्ट ने कहा

नैनीताल। हाईकोर्ट ने उत्तराखण्ड में 4 दिसम्बर 2018 से पहले नियमित दैनिक, संविदाकर्मियों को को नियमित नियुक्ति को कहा है। कोर्ट ने 2013 की नियमावली को चुनौती देने वाली याचिकाओं को निस्तारित करते हुए कहा कि दस वर्ष की दैनिक, संविदा के रूप में सेवा करने की बाध्यता के आधार पर नियमित किया जा सकता है।

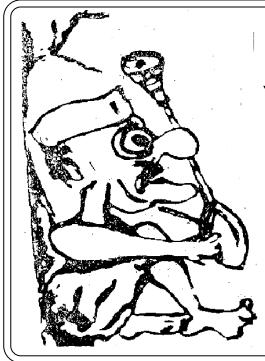

फसक

दाज्यू, औने-पौने में बिकने वालों की कमी नहीं ठैरी

अपने चक्कर में समाज का घनचक्कर बना देते हैं बल

दाज्यू, जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव का समय नजदीक आ रहा है शिव दा की धड़कन तेज होती जा रही है। शिवदा कह रहे थे- 'टिकट नहीं मिला तो सन्यास ले लूंगा।' दाज्यू, हमसे शिवदा की हालत देखी नहीं जा रही है। उन्हें कौन समझाए कि औने-पौने में बिकने वालों की कमी नहीं ठैरी। चुनाव तक कौन किस करबट बैठेगा, अभी से क्या कहें। लेन-देन बात-व्यवहार, लूट और कूट दुनिया का हिस्सा है। सारे खेल बदस्तूर रहेंगे....

रिश्वत वाला खेल रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है। दबादब पकड़ हो रही है। विजिलेंस ने काशीपुर के बन्नाखेड़ा में आय प्रमाण पत्र बनाने के एवज में सात हजार रुपये लेते लेखपाल और उनके निजी सहायक को पकड़ लिया बल। जो पकड़ा गया वह सबने देखा, जो नहीं पकड़ा जा सका है उसका क्या? रघ्घू रिवर्स पलायन की बात कर रहा है और खुद अतर की गट्टी तलाशता है। ऐसे लोग अपने चक्कर में समाज का घनचक्कर बना देते हैं बल। रुद्रपुर के शक्ति विहार कालोनी में सड़क के लोकार्पण के शिलापट को शिफ्ट करने को लेकर निवर्तमान मेयर रामपाल सिंह और कांग्रेस महानगर अध्यक्ष सीपी शर्मा भिड़ गये। दोनों ने एक दूसरे पर मारपीट का आरोप लगाया है। कांग्रेसियों ने पुलिस कार्यालय पर भी हंगामा कर दिया बल। एक पक्ष सीओ पर दबाव में काम करने का आरोप लगा रहा है। रुद्रपुर के रम्पुरा में नामकरण संस्कार में तीन सगे भाईयों ने सहित चार लोगों ने ताबड़तोड़ फायरिंग करने के साथ ही अपने चाचा का सिर फोड़ दिया। हंगामे मेहमान भाग गये। दाज्यू, रात को डीजे में डांस करते समय हंगामा हुआ बल। डीजे भी कमाल की चीज हुई, आज तक न जाने कितनों के सर फूटे होंगे। अब हरक सिंह को ही देख लो, जब तक चल रही थी खूब धुरमण्ड थी। समय ईडी का घेरा उन्हें सताना लग रहा है। ईडी ने छापे में मिले सामान को लेकर उनके परिवार से पूछताछ की। -तुम्हारा भुली झकरुवा

रुतवा पहले से...

प्रथम पृष्ठ का शेष

बनभूलपुरा निवासी मलिक और उसके बेटे मोईन को दंगे का मास्टर माइण्ड बताते हुए पुलिस व प्रशासन जिस प्रकार की सख्ती दिखाई, उससे यह भी अनुमान लगाया गया कि वह नेपाल के रास्ते विदेश भाग सकता है। इनकी बीवियां भी उसी दिन से लापता हो गईं। कई राज्यों में तलाश के बाद भी यह लोग नहीं मिले तो पहले इनके घर की की कुर्की और फिर गृह मंत्रालय ने बाप-बेटे के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया। देश के विभिन्न हवाई अड्डों से इनके हवाई सफर को लेकर जानकारी की गई तो पता चला 8 फरवरी से लेकर अब तक किसी एसरपोर्ट पर इनके पासपोर्ट का इस्तेमाल नहीं हुआ। इससे अनुमान हुआ कि यह देश में ही कहीं छिपे हुए हैं।

मलिक को लेकर हो रही जाँच में कई प्रकार की बातें पता चल रही हैं। हाईकोर्ट में मृतक के नाम से दायर याचिका पर भी मामला दर्ज हुआ है। कूटरचना कर सरकारी जमीन हड़पने, मरे हुए व्यक्ति के नाम से शपथ पत्र देने, न्यायालय में मरे हुए व्यक्ति के नाम से याचिका दायर करने के मामले में नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त ने अब्दुल मलिक, उनकी पत्नी साफिया सहित 6 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर करवाया। फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर सरकारी भूमि पर कब्जा करने और उसे खुर्द-बुर्द करने की जाँच क्रम में पुलिस ने मलिक की पत्नी के नाम पर अन्य सम्पत्तियों को भी रडार में लिया है।

मलिक की सम्पत्ति और बैंक खातों की जानकारी भी जुटाई जा रही है। नगर निगम द्वारा दिये गये नोटिस के बाद तहसील प्रशासन उसकी चल-अचल सम्पत्ति की जाँच में जुटा है। पुलिस द्वारा पहले ही घर की कुर्की की जा चुकी है। बताया जा रहा है कि मलिक की आजाद नगर लाइन नम्बर 8 स्थित आलीशान कोठी भी नजूल भूमि पर बनी है। इस भूमि को फ्रीहोल्ड नहीं कराया गया है। मलिक के जितने भी शिक्षण संस्थान संचालित हो रहे हैं सभी मरियम ट्रस्ट के नाम से संचालित हो हरे हैं। मलिक के नाम कोई भी वैध अचल सम्पत्ति नहीं मिल पा रही है। ऐसे में प्रशासन भी विचार कर रहा है कि मलिक से नोटिस की वसूली किस प्रकार हो।

जाँच-पड़ताल के और पुलिस के पूरे जाल बिछाने के 16 दिन बाद मलिक की गिरफ्तारी हो सकी। एसओजी टीम ने 16 दिन बाद 24 फरवरी को उसे दिल्ली से दबोचा और देर रात कोर्ट में पेश किया गया, जहाँ उसे जेल ले गये। मलिक ने अपने वकीलों के माध्यम से हल्द्वानी एडीजे कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी। याचिका स्वीकार हो गयी थी लेकिन मलिक की गिरफ्तारी के बाद याचिका स्वत: निरस्त हो गयी।

उपद्रव के बाद से मलिक पुलिस से बचने के लिये भागता रहा। बताया जा रहा है कि 16 दिन में मलिक 6 राज्यों में गया। दिल्ली, मुम्मई, गुजरात, चण्डीगढ़, भोपाल के बाद वह दिल्ली में था, जिसे पुलिस टीम ने पकड़ा। एसएसपी मीणा ने बताया कि 6 टीमें मलिक को पकड़ने के लिये लगातार जुटी थीं। मलिक के पकड़े जाने के बाद पुलिस उसे पनाह देने वालों की भी पड़ताल कर रही है। साथ ही मलिक, उसकी पत्नी, बेटों की सम्पत्तियों सहित हर तरह के सुराग ढूंढे जा रहे हैं।

तमाम तरह की चर्चाओं में कहा रहा है कि अब्दुल मलिक पर किसी बड़े नेता का हाथ भी हो सकता है। इतना तो जरूर है कि इसकी पकड़ सभी पार्टियों के बड़े नेताओं तक है। मलिक के पकड़े जाने के बाद बनभूलपुरा में पुलिस पहरा सिर्फ उन्हीं स्थानों पर है जहाँ मलिक व उसके जुड़े तार हैं। अब यह पड़ताल चलती रहेगी और सबका ध्यान इस बात पर लगा हुआ है कि आगे क्या सुनने-देखने को मिलता है।

आपके पत्र

सादर अभिवादन !!! 'पिघलता हिमालय' पत्रिका के संस्थापक/संपादक स्व. आनन्द बल्लभ उप्रेती जी के अनन्य दूरदृष्टि, अथक प्रयास, सतत परिश्रम तथा गहरे चिन्तन मनन के फलस्वरुप एक प्रेरणा स्रोत एवं पथप्रदर्शक के रूप में निर्बाध लेखन-सृजन करते हुए समय के लम्बे कालचक्र को समीप से आत्मसात किया है। उन्होंने निरन्तर सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहकर हमारे पहाड़ी अंचलों के रीति-रिवाज और संस्कारों का शेष भारत से परिचय कराने में अग्रणीय भूमिका निभाय है। एक नियमित पाठक होने पर अपने आत्मिक भाव-विचार को व्यक्त करते हुए हम उनके इस महान मार्गदर्शक एवं सजग प्रहरी 'पिघलता हिमालय' पत्रिका प्रकाशन के अविस्मरणीय कार्य को सतह से शिखर तक पहुंचाने हेतु स्व. आनन्द बल्लभ उप्रेती जी, स्व. श्रीमती कमला उप्रेती जी एवं स्व. दुर्गा लसह मर्तोलिया जी की दूरदृष्टि की तहेदिल से भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए उन्हें शत्-शत् नमन के साथ मूक श्रद्धांजलि अर्पित करते है।

नियमित पाठक- भूपाल सिंह लसपाल, ग्राम-सरमोली,
पोस्ट व तहसील- तिकसैन, हिमनगरी मुनस्यारी।
हाल - जाखनी, पिथौरागढ़। (उत्तराखंड)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

हलचल

ग्लेशियरों का सिकुड़ना व कम होना हिमालय के लिये खतरा

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

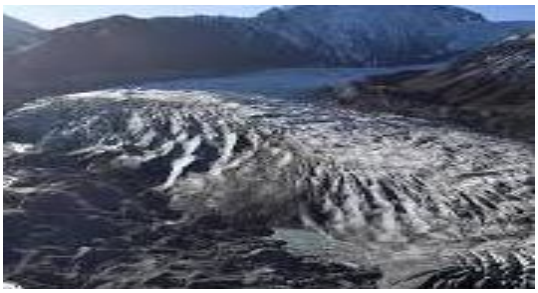

जलवायु परिवर्तन की मानीटरिंग के लिए हिमालय प्राकृतिक प्रयोगशाला है। जलवायु परिवर्तन की वजह से हिमालय का तापमान 1991 से 2014 तक 0.11 प्रतिशत बढ़ा है। शोध अध्ययनों के अनुसार भविष्य में सर्दियों में हिमालय का तापमान दो से 3.5 डिग्री सेल्सियस व गर्मियों में 1.9 डिग्री सेल्सियस से 3.3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। हिमालय में छह हजार मीटर ऊँचाई की करीब सौ चोटियां जबकि करीब 50 हजार ग्लेशियर हैं। हिमालय दुनिया में 240 मिलियन आबादी को पानी व शुद्ध हवा देता है। निष्कर्ष निकाला है कि हिमालय क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन व उनके प्रभावों की सतत निगरानी की सख्त आवश्यकता है। लाखों लोग हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के लाभार्थी हैं। हिमालय पर्वतमाला पश्चिम में अफगानिस्तान से लेकर पूर्व में म्यांमार तक पाकिस्तान, भारत, चीन, नेपाल, भूटान और बांग्लादेश से गुजरते हुए आठ से अधिक देशों तक फैली है। जलवायु परिवर्तन इस क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है। हिमालय में बर्फ, ग्लेशियर की गतिशीलता की स्पष्ट समझ सीमित है। सामाजिक-राजनीतिक रूप से, यह क्षेत्र सीमा विवादों से घिरा हुआ है। क्षेत्रीय अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहायता की आवश्यकता है। क्षेत्र में स्थिरता के लिए अनुसंधान और प्रबन्धन दोनों परिणामों में सीमा-पार सहयोग को लागू किया जाना चाहिए। हिमालय में राजनीतिक और प्राकृतिक संसाधन स्थिरता दोनों को प्राप्त करने में जलवायु परिवर्तन की गतिशीलता, प्रवृत्तियों और प्रभावों और इसके महत्व के अध्ययन और निगरानी के दृष्टिकोण को रेखांकित किया जाना चाहिए। हिमालय के आठ देशों को इस दिशा में समन्वयक के साथ प्रोग्राम बनाकर अध्ययन की सख्त जरूरत है। शोध के अनुसार हिमालय अनेक खतरों का सामना कर रहा है। सबसे बड़ा खतरा ग्लेशियरों का सिकुड़ना व कम होना है। जिससे भविष्य में जलापूर्ति के गम्भीर परिणाम हो सकते हैं। हिमालयी क्षेत्र में वनों की कटाई, प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन, अवैध शिकार, कृषि संस्कृति व आनुवांशिक संसाधनों की हानि, मानव वन्य जीव संघर्ष आदि बढ़े खतरे के रूप में उभर रहे हैं। इस वजह से मिट्टी का क्षरण हो रहा है। शोध पत्र के अनुसार हिमालयी पारिस्थितिकीय तंत्र के लिए संसाधनों का अत्यधिक दोहन गम्भीर चिन्ता बन रहा है। मसलन ईंधन की लकड़ी, वाणिज्यिक इमारती लकड़ी के लिए झाड़ियों व जंगलों का दोहन, गैर इमारती वन उत्पादों का अत्यधिक दोहन या अत्यधिक खनन, औषधीय पौधों की अवैध कटाई से खतरा लगातार बढ़ रहा है। वन्य जीवों के शिकार से हिमालयी पारिस्थितिकीय तंत्र को खतरा है। हिमालयी क्षेत्र में बाघ, गैंडा, कस्तूरी मृग, लाल पांडा का अवैध शिकार पूरे हिमालयी क्षेत्र में व्यापक रूप से फैला हुआ है। हिमालयी क्षेत्र में वनस्पतियों की विशेष प्रजातियां का अस्तित्व खतरे में है। शोध के अनुसार हिमालय जलवायु परिवर्तन के लिए अत्यधिक सम्वेदनशील है। इस क्षेत्र में वार्षिक औसत सतह का तापमान बढ़ रहा है। ग्लेशियर पिघलने से यह 25 प्रतिशत प्रभावित होता है। ग्लेशियरों के सिकुड़ने से मानवता के लिए भयानक परिणाम सामने आ सकते हैं। चीनी विज्ञानी के शोध का हवाला देते हुए बताया है कि तिब्बती पठार के ग्लेशियर 1995 से 2035 तक पाँच लाख किमी तक सिकुड़ने की सम्भावना है। सरकार ने माना है कि ग्लेशियरों के पिघलने से नदियों के बहाव में अन्तर तो आएगा ही। साथ ही कई तरह की आपदाएं आएंगी। हिमनद झीलें, ग्लेशियर के पिघलने और उसके निकट इस पानी के जमा होने से बनती हैं। हिमनद झील बाढ़ तब आती है, जब ग्लेशियर के पिघलने से अचानक पानी उस झील से बाहर आता है। इसके परिणामस्वरूप निचले इलाके में अचानक बाढ़ आ जाती है। यह बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के लोगों और पर्यावरण, दोनों के लिए बेहद विनाशकारी और खतरनाक हो सकती है। सूत्रों ने कहा कि चूंकि हिमनद झीलें दूरदराज और ऊँचाई वाले इलाकों में स्थित हैं, ऐसे में जमीनी सर्वेक्षण करना चुनौतीपूर्ण काम है। इसलिए इस कार्य में विशेषज्ञ दल की सहायता ली जाएगी। उत्तराखण्ड की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण प्रदेश में कई बार आपदा जैसे हालात बन जाते हैं। यही वजह है कि उत्तराखण्ड सरकार तमाम ऐतिहात भी बरत रही है. ताकि भविष्य की चुनौतियों को पार पाया जा सके। लेकिन दूसरी तरफ वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन एक गम्भीर समस्या बन रही है। जलवायु परिवर्तन के कारण उच्च हिमालय क्षेत्रों में समय से बर्फबारी और बारिश न होने से तापमान बढ़ रहा है। इससे ग्लेशियर भी लगातार पिघल रहे हैं और ग्लेशियर झील की संख्या और उनका आकार भी बढ़ रहा है। ये भविष्य के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं।

ज्योतिष की बातें - 168

7 मार्च 2024 को बुध समराशि मीन में प्रवेश करेगा। वहाँ पर बुध राहु से युति करके जड़त्व योग का निर्माण करेगा अत: बुद्धि में जड़ता उत्पन्न होगी। अभी तक अस्त तक चल रहा बुध तीन दिन बाद 10 मार्च 2024 को (स्थान भेद से) उदय भी हो जाएगा। बुध अगले 19 दिन बुद्धि, व्यापार, व्यवसाय, लेखन कार्य आदि अपने कारक विषयों में कुम्भ, धनु, तुला, सिंह, मिथुन, व वृषभ राशि के जातकों को अल्पमात्र में शुभफल प्रदान करेगा।

7 मार्च 2024 को शुक्र मित्रराशि कुम्भ में प्रवेश करेगा। वहाँ पर मित्रग्रह शनि से युति भी करेगा अत: शुक्र अत्यन्त शुभफल प्रदान करेगा। अगले 24 दिन शुक्र सांसारिक सुख आदि अपने कारक विषयों में मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुम्भ व मीन राशि के जातकों को अत्यन्त शुभफल प्रदान करेगा। शेष तीन राशियों के लिए सामान्य फल रहेगा।

महाशिवरात्रि व्रत- फाल्गुन कृष्णपक्ष चतुर्दशी निशीथ व्यापिनी तिथि में महाशिवरात्रि व्रत किया जाता है। तदनुसार शुक्रवार 8 मार्च 2024 को महाशिवरात्रि व्रत किया जाएगा। इस दिन रात्रि में चारों प्रहर शिव पूजा की जाती है। महाशिवरात्रि का व्रत करने से वर्ष भर की बारहों शिवरात्रियों के व्रत करने का पुण्य प्राप्त हो जाता है।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 59

दलबदल की राजनीति

चुनाव आते ही दलबदल की प्रक्रिया तीव्र हो जाती है। पहले तो पूर्ण स्वतन्त्रता थी कि कोई भी विधायक कभी भी दल बदल सकता था लेकिन बाद में एक नियम बना कि कम से कम एक तिहाई विधायक या सांसद दल बदल करें तो ही उन्हें मान्यता मिलेगी तो अब दलबदल थोक में होता है। जो नेता एक दल को पानी पी पीकर गाली देते हैं वे उसी दल में अचानक प्रवेश कर जाते हैं और अचानक ही एक दिन उसी दरवाजे से एग्जिट भी कर जाते हैं। दल बदलते समय उस दल का क्या मूल सिद्धान्त है इस बात का अब कोई महत्व नहीं रहा। चुनावी स्वार्थ को देखते हुए ही दल बदल होता है न कि पार्टी के सिद्धान्तों को देखते हुए। कुछ नेता तो इतना अधिक दलबदल करते हैं कि उनकी प्रसिद्धि ही दलबदलू के रूप में हो जाती है। आश्चर्य तो तब होता है जब आधे से अधिक विधायक मिलकर, अपना नया दल न बनाकर, अपनी पार्टी के संस्थापक नेतृत्व को ही पार्टी से निकाल देते हैं। अपने देश के राजनीतिक इतिहास में ऐसा कई बार हो चुका है कि मन्त्री भी वही, मुख्यमन्त्री भी वही, मन्त्रिमण्डल भी यथावत् लेकिन पार्टी बदल गई। ऐसा आश्चर्य भारत के ही लोकतन्त्र में देखने को मिलता है।

इस प्रकार नेताओं ने लोकतन्त्र का मजाक बनाकर रख दिया है। यदि लोकतन्त्र को बचाना है तो इस दलबदल के खेल पर अंकुश लगाना आवश्यक है। मेरे विचार से पार्टी बदलने पर तत्काल विधानसभा अथवा लोकसभा की सदस्यता समाप्त होनी चाहिए। और मतदाताओं को भी चाहिए कि ऐसे नेताओं को आगे से वोट न दें।

-सरल

दो शिफ्ट में हेलीसेवा, पर्यटन बढ़ेगा

हल्द्वानी। गौलापार से मुनस्यारी, पिथौरागढ़ और चम्पावत के लिये दो शिफ्ट में हेली सेवा संचालित होने से पर्यटन बढ़ना तय है। हेली सेवा सुबह और दोपहर की पाली में यात्रियों को उपलब्ध है। हेरिटेज ऐविएशन के हेली सेवा शुरू होने के बाद से यात्रियों के लिये यह बेहतर अवसर है जो कम समय में दूरस्थ क्षेत्रों में जाना चाहते हैं। हेलीसेवा की मांग अन्य स्थानों के लिये भी हो रही है।

लघु कथा

उजाड़

दीवान सिंह कठायत

''आहा इतने लम्बे -चौड़े खेत। धन्य हो हमारे पितरों ने कैसे तब इनका निर्माण किया होगा? जब धरती काटने या जमीन समतल करने की आजकल जैसी कोई मशीनरी उपलब्ध नहीं थी।'' कहते हुए मुकुल उपाध्याय अपने घर से लगे, सीढ़ीदार खेतों को निहारे जा रहे थे। 'अरे यार तब गाँव में लोगों के बीच एकता, सहयोग, समर्पण व इस भूमि के प्रति आत्मिक लगाव था। लोग गाँव में ही मस्त रहकर खेतीबाड़ी पशुपालन करते, शुद्ध हवा पानी लेते खूब मेहनत करते और सामूहिक रूप से कार्य कर, कठिन से कठिन कार्यों को पल में निपटा देते।' कहते हुए उसके साथ बैठे साथी सुनील ने ,गुड़ के साथ चाय का घूंट लेते हुए कहा। 'सही कहा तुमने, अब जल्दी ही इन बंजर पड़े खेतों में छोटे ट्रेक्टर से जुताई कर फसलें उगाएंगे। फलदार पेड़ पौधे लगाएंगे'। 'बिलकुल यार जैसे मकान बनाकर, हमने उजड़ चुके अपने इस पैतृक गाँव को फिर से आबाद कर दिया है, है ना'। गरम-गरम चाय की चुस्कियों के साथ बहस जारी थी कि तभी तेज कदमों के साथ भुवन उधर आता हुआ दिखाई दिया। 'जै इष्ट देव भनेरी गोलू' कहते हुए उसने बताया कि शहरों व मैदानों में बसे लगभग सभी परिवार अब यहाँ गाँव में भी मकान बनाने जा रहे हैं। सुनकर, सभी के चेहरों पर मुस्कराहट तैर गयी और नजरें आस्था के साथ अपने इष्ट देव मन्दिर की ओर लग गयी।

अस्सी से दो हजार के बीच का दौर था वह, जब नौकरी याफ्ता व समृद्ध लोगों ने सुविधाओं की दुहाई दे, एक -एककर गाँव छोड़ना शुरू किया था और तराई-भावर क्षेत्र व शहरों में मकान बना, वहीं के होकर रहने लगे थे। शेष एक-दो गरीब परिवार भी निकटवर्ती सड़क से जुड़े कस्बों व बाजारों में चले गए और पूरा गाँव जन शून्य हो, उजाड़ हो चला था।

बीस पच्चीस सालों के इस दौर में अनेक बुजुर्ग चल बसे थे और एक नई पीढ़ी भी जवान हो गई थी। विडम्बना यह रही कि, गाँव के कुल देवता इष्ट देव का पूजन करने लगभग हर परिवार साल-दो साल में गाँव आता और मन्दिर के निकट टैंट बना, शीघ्र पूजा पाठ निपटा कर मैदानों को निकल जाते। मगर टूटे हुए मकान, बंजर पड़े खेत व उजाड़ पड़ी इस धरती की टीस उन्हें अन्दर से बेधते रहती।

अब अलग राज्य बन जाने से पहाड़ के लगभग हर गाँव सड़क से जुड़ने लगे थे तभी कोरोना ने भी दस्तक दे दी। शहरी क्षेत्रों से लोग भाग-भागकर पहाड़ अपने घरों आने लगे। शुद्ध आबोहवा, खानपान तथा स्वाभाविक दूरी के चलते यहाँ बहुत कम जनहानि हुआ और लोगों की अपने स्थानीय इष्ट देवों के प्रति आस्था में भी इजाफा हुआ। वे इसे उनकी कृपा भी मानते।

लोगों का मन अब पुन: गाँव की ओर दौड़ने लगा। गाँव तक काफी सुविधाएं पहुँच चुकी थीं। समृद्ध परिवारों में से मुकुल व सुनील की फैमिली ने शीघ्र ही गाँव में अपने लिए नये मकान बना लिए और अन्यत्र बसे गाँव के लोगों से सम्पर्क कर ,चन्दा करते हुए भव्य इष्ट देव मन्दिर का निर्माण भी कर दिया।

इस वर्ष लगभग प्रत्येक परिवार का अब नया घर बनने जा रहा था तथा इस बीच मन्दिर में ,पूजा आयोजन के लिए इकट्ठा हुए प्रत्येक व्यक्ति के आंखों में अब खुशी के आंसू सहज ही प्रकट भी हो रहे थे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

हल्द्वानी के हालातों पर
पूर्व नौकरशाह बोले न्यायिक जाँच हो

देहरादून। बनभूलपुरा में उपद्रव और उसके बाद हुई कार्रवाई पर पूर्व नौकरशाहों के कंस्ट्यूशनल कंडक्ट ग्रुप ने चिन्ता जताते हुए मुख्य सचिव राधा रतूड़ी को पत्र लिखकर हिंसा की न्यायिक जाँच की मांग की है। ग्रुप के 83 पूर्व नौकरशाहों ने सीएम को भी पत्र भेता है। हस्ताक्षर करने वालों में रिटा.आईएएस अनिता अग्निहोत्री, जी.बालचन्द्रन, राणा बनर्जी, चन्द्रशेखर आदि हैं।

नजूल भूमि को स्टांप पर बेचने की जाँच

हल्द्वानी। नगर निगम समेत सभी नजूल की जमीन की स्टाम्प पर खरीद-फरोख्त करने वालों की जाँच होगी। नगर आयुक्त की ओर से गठित कमेटी ऐसे मामलों की जाँच कर रही है। नगर निगम ने नजूल की जमीन की जीओ टैगिंग भी शुरू कर दी है। 5 टीमें इस कार्य में लगाई गई हैं।

गदरपुर विधायक के बिगड़े बोल

हल्द्वानी। गदरपुर विधायक अरविन्द पाण्डेय ने पत्रकार वार्ता में कहा कि पूरी दुनिया से लोग उत्तराखण्ड में देवी-देवताओं का आशीवाद लेने आते हैं। यहाँ की प्रकृति के दर्शन के लिए आते हैं। कुछ लोग यहाँ की छवि पर धब्बा लगाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं दंगाई को किसी जाति मजहब से नहीं जोड़ता हूँ। कानून व्यवस्था बिगड़ने नहीं देंगे, दंगाई नीचे नहीं रहेगा वह ऊपर ही जाएगा।

हैदराबाद के सलमान ने बांटे रुपये

हल्द्वानी। उपद्रव के बाद हैदराबाद निवासी सलमान खान ने मारे गये लोगों के परिजनों सहित कई को रुपये बांटे। बताया जा रहा है कि वह अपने 6 साथियों के साथ हवाई जहाज से आया और नकद धनराशि बांटी। यह रकम हैदराबाद में चलाए जा रहे अपने एनजीओ के माध्यम से एकत्र की थी। जांच-पड़ताल के बाद एनजीओ के खाते सीज करने और दानदाताओं के चिन्हीकरण की बात कही गई है।

अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष का दौरा

हल्द्वानी। बनभूलपुरा हिंसा के बाद राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा, आयोग के उपाध्यक्ष और सदस्य के सदस्य के साथ घटनास्थल पर आए। उन्होंने बनभुलपुरा थाने के साथ ही महिक का बगीचा का भी निरीक्षण किया। ध्वस्त किए गए मदरसा और नमाज स्थल का जायजा लिया। साथ ही स्थानीय लोगों से बातचीज की। लोगों ने आयोग के अध्यक्ष से कहा उन्हें मजिस्ट्रेट जांच पर भरोसा नहीं है। घटना की न्यायिक जांच होनी चाहिये।

मारे गये ३ लोगों की पत्नियों को पेंशन

हल्द्वानी। जिलाधिकारी वन्दना सिंह की पहल पर समाज कल्याण विभाग ने वनभूल पुरा क्षेत्र में दंगे में मृतकों की पत्नी को निराश्रित विधवा पेंशन का लाभ प्रदान किया है। विभाग ने पेंशन का अनुमोदन ऑनलाइन आवेदन मिलने और सभी आवश्यक प्रपत्र की जांच के उपरान्त किया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपक घिल्डियाल ने बताया कि तीन लोगों को मार्च की पेंशन राशि व अप्रैल से प्रतिमाह 1500 रुपये पेंशन उनके बैंक खातों में हस्तान्तरित की जा रही है।

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं

हल्द्वानी। आईएएस विशाल मिश्रा ने हल्द्वानी में नगर आयुक्त का पद सम्भालने के बाद स्पष्ट कर दिया कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हटाने का अभियान जारी रहेगा। सरकारी भूमि पर किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। श्री मिश्रा उत्तराखण्ड कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। इससे पहले वह रुद्रपुर में सीडीओ थे।

स्थिति सामान्य, निगरानी, जुमे की नमाज

हल्द्वानी। बनभूलपुरा में कर्फ्यू हटने के बाद स्थिति सामान्य दिख रही है लेकिन पुलिस निगरानी है। जुमे की नमाज के दौरान मस्जिद के बाहर पुलिस तैनात रही।

इफ्को द्वारा सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम में दिखाई दिया जोश

चम्पावत/पाटी। इण्डिया फालमर्स फर्टिलाइजर को आपरेटिव लि. (इफ्को) द्वारा विकास भवन सभागार चमवत में सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम राजीव शर्मा मुख्य क्षेत्र प्रबन्धन इफ्क अल्मोड़ा द्वारा कृषकों व समितियों को सुदृढ़ करने की दिया में इफ्को द्वारा किये जा रहे कार्यों को बताया। इफ्को के नैनो उत्पपाद नैनो यूरिया व नैनो डी एम्बी के बारे में सम्पूर्ण जानकारी दी। बताया कि मिट्टी, पर्यावरण, जीव जन्तु व मानव स्वास्थ्य के लिये कैसे नैनो उत्पाद वरदान साबित हो रहा है।

जोश से भरे आयोजन में निहारिका पाण्डे क्षेत्र अधिकारीने इफ्को के अन्य उत्पाद सागरिका, जल विलेय उर्वरक इत्यादि के बारे में बताया। उन्होंने सभी प्रतिनिधियों से अधिक से अधिक किसानों से जुड़कर नैनो का प्रचार-प्रसार करने का अनुरोध किया। महाप्रबन्धक डिस्ट्रिक कोआपरेटिव बैंक सौ सिंह ने बैंक से जुड़ी जानकारियां दीं। सहा.निबन्धक सुभाष गहतोड़, सूर्य प्रताप सिंह कृषि विभाग सहित प्रतिभागी उपस्थित थे।

कोटगाड़ी में सहस्त्रचंडी यज्ञ सम्पन्न

पांख/थल। पुंगराऊ घाटी स्थित प्रसिद्ध न्याय की देवी कोटगाड़ी भगवती मन्दिर में आयोजित दस दिवसीय सहस्त्र चण्डी यज्ञ पूर्णाहुति के साथ सम्पन्न हुआ। हवन में महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल व प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी भी शामिल हुए।

इस दौरान क्षेत्र का वातावरण मां भगवती के जयकारों से गुंजायमान रहा। कोटगाड़ी मन्दिर में दस दिन चले इस अनुष्ठान में देवी के 100 पाठ नित्य कर करीब 150 पण्डितों द्वारा पाठ किया गया। व्यास राजेन्द्र पाण्डे के साथ ही 52 प्रकाण्ड पण्डितों द्वारा दुर्गा माता के रोज सात लाख श्लोक पाठ पढ़े गए। क्षेत्र की उन्नति और धन्यधान के लिये किये गये इस महायज्ञ की चहुंओर प्रशंसा हो रही है। आयोजन की सफलता के लिये समिति कई दिन पहले से तैयारी में जुटी थी। समापन अवसर पर मनोज कार्की, राजेन्द्र सिंह कार्की, नरेन्द्र सिंह रौतेला, गोविन्द सिंह कार्की, कुन्दन सिंह कार्की, पं. जीवन पाठक, शंकर दत्त जोशी, कैप्टन बहादुर सिंह रौतेला, प्रकाश जोशी, शेखर पाठक, खीलानन्द पाठक, त्रिलोक सिंह कार्की, गोविन्द सिंह कार्की, केशव गिरि आदि शामिल थे।

जौलजीवी में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र

जौलजीवी। नेपाल सीमा पर वर्षों से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की मांग पूरी होने पर खुशी है। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खुलने के बाद तीन तहसीलों की करीब तीस हजार से अधिक की आबादी को धारचूला या पिथौरागढ़ दौड़ नहीं लगानी होगी। इस सीमान्त क्षेत्र में अस्कोट के बाद धारचूला में ही प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध थी। अस्कोट में प्रा. स्वास्थ्य केन्द्र इसके बाद धारचूला में ही सीएचसी है। जौलजीवी, धारचूला बंगापानी और डीडीहाट तहसीलों के केन्द्र में हैं। तीनों तहसीलों के 40 से अधिक गांवों के लोगों को प्राथमिक चिकित्सा के लिये अब सुविधा मिलेगी।

लम्बे इन्तजार के बाद जौलजीवी में प्रा.स्वा.केन्द्र बना और विगत दिवस जिपं अध्यक्ष दीपिका बोहरा ने इसका उद्घाटन किया। इस मौके पर समाजसेवी शकुन्तला दताल, एसडीएम मंजीत सिंह, सीएमओ एचएस ह्यांकी, जिपं सदस्य गंगोत्री दताल, पूर्व विधायक गगन रजवार, पूरन ग्वाल, धीरेन्द्र धर्मशक्तु, जमन सिंह, लीला बंग्याल मौजूद थे।

ओम पर्वत के लिए ६ माह तक हेली सेवा

देहरादून। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने आदि कैलास की यात्रा पर आने वाले यात्रियों के लिये सुविधाओं और कनेक्टिविटी को मजबूत करने के सम्बन्ध में पर्यटन विभाग के साथ बैठक करते हुए जानकारी दी कि प्रधानमंत्री मोदी की परिकल्पना के अनुरूप पर्यटन विभा की ओर से सीमान्त के धारचूला क्षेत्र में स्थित आदि कैलास, ओम पर्वत, पार्वती सरोवर पवित्र धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए हेली सेवाएं शुरू की जा रही हैं। आदि कैलास व ओम पर्वत के दर्शन पर्यटकों को जौलिंगकौंग व नाबीढांग से कराए जाने की योजना है। बताया कि उच्च हिमालयी क्षेत्रों के अत्यधिक ठण्ड व विषय मौसम के कारण सर्दियों के दौरान 6 माह यहां के नागरिकों के पास कोई व्यावसायिक गतिविधियां न होने से उन्हें मजबूर होकर निचले क्षेत्रों में आजीविका के लिए पलायन करना पड़ता है। जबकि सामरिक दृष्टिकोण, धार्मिक पर्यटन एवं साहसिक पर्यटन की दृष्टि से यह क्षेत्र अत्यन्त महत्वपूर्ण होने के कारण इस क्षेत्र में विंटर टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। सचिव श्रीमती रतूड़ी ने कहा कि पर्यटन विभाग आदि कैलास क्षेत्र में पर्यटकोंके लिये मूलभूत सुविधाओं को विकसित करेगा।

जोशीमठ भूधंसाव मामले की सुनवाई

नैनीताल। उत्तराखण्ड हाईकोर्ट में जोशीमठ में हो रहे भूधंसाव को लेकर दायर याचिका पर अगली सुनवाई दस जून को होगी। अल्मोड़ा निवासी पी.सी.तिवारी की ओर से इस मामले में दायर जनहित याचिका पर पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायधीश ऋतु बाहरी और न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की खण्डपीठ ने अगली सुनवाई की तिथि तय की। याचिकाकर्ता ने कहा कि कोर्ट ने पूर्व में कहा था कि एनटीपीसी जोशीमठ में ब्लास्टिंग और टनल निर्माण की समस्या को लेकर राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के वहां अपना पक्ष रखें और एनडीएमए उस समस्या पर सुनवाई कर अपना सुझाव राज्य सरकार को दे। अब तक उस पर सुनवाई पूरी नहीं हुई है। न ही रिपोर्ट एनडीएमए ने राज्य सरकार को दी है। कोर्ट को यह भी बताया कि जोशीमठ में ब्लास्टिंग करने की वजह से करीब 600 घरों में दरारें पड़ चुकी हैं।

पिथौरागढ़ में महाविद्यालय है या कैम्पस? सीएम-राज्यपाल को ज्ञापन

पिथौरागढ़। उच्चशिक्षा का तमाशा बनना कम नहीं हो रहा है। इसका ताजा उदाहरण पिथौरागढ़ जिला मुख्यालय देखा जा सकता है। छात्रसंघ ने मुख्यमंत्री और राज्यपाल को ज्ञापन भेजते हुए समस्या के समाधान की मांग की है। उन्होंने सवाल किया है कि पिथौरागढ़ में कैम्पस है या महाविद्यालय यह स्थिति स्पष्ट नहीं हो रही है। शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिये कोई काम नहीं किया जा रहा है। उन्होंने शिक्षामंत्री सहित अधिकारियों को भी छात्र-छात्राओं की समस्या के निराकरण की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि अल्मोड़ा में सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय बनने के बाद पिथौरागढ़ महाविद्यालय में कैम्पस बनाने की घोषणा कर दी गई और कालेज के कुछ नियुक्ति पा गये। जो नियुक्ति पा चुके वह बहुत खुश कि वह विश्वविद्यालय में आ चुके हैं लेकिन शेष बचे कालेज के शिक्षक-कर्मचारी वैसे ही हैं। ऊपर से इनकी सेवा के लिये स्थान दूसरी जगह तय नहीं हो सके हैं। चयन किये गये शिक्षकों की दूसरी सूची जारी होने के बाद अड़ंगा लग गया कि अब प्रदेश के अन्य कालेजों से नहीं आ पायेंगे। यदि आते हैं तो कुछ समय के लिये प्रतिनियुक्ति में होंगे और फिर मूल कालेज में जाना होगा। ऐसे में कैम्पस बनने का उत्साह खटाई बन गया और शिक्षक व कर्मचारी जैसे के तैसे बने हैं। साथ ही नेतागिरी की हवा चलती रही। जो इच्छुक थे वह हवा हो गये और जिनका नाम नहीं था वह ऐसा ही अवसर तलाश रहे थे। कागजों के इस पूरे खेल में सीमान्त क्षेत्र के उच्चशिक्षा को पलीता ही लगा है। व्यवस्था को ढर्रे पर लाने के लिये शासन को सचेत होकर कार्य करना चाहिये और इनके सलाहकारों को भी इसमें रुचि लेनी होगी।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

11वां आनन्द बल्लभ स्मृति समारोह सम्पन्न

प्रकृति पुत्र-पुत्रियों का जीवन और धर्म प्रकृति होकर रह गया

सिंह कुटियाल, उच्चशिक्षा उत्तराखण्ड के निदेशक डा. सी.डी.सूंठा व अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन व पुष्पांजलि कर किया।

हिमालय संगीत शोध समिति के बाल, युवा व किशोर कलाकारों ने सरस्वती वन्दना के बाद श्रीनिवास मिश्र की रचनाओं का कर्णप्रिय समूह गायन किया। आयोजन सचिव डा.पंकज उप्रेती, फली सिंह दताल, धीरज उप्रेती ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। संचालक भुवनेश विराट कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता कर रहे उच्चशिक्षा उत्तराखण्ड के प्रथम निदेशक प्रोफेसर पी.सी.बाराकोटी, मुख्य अतिथि मंगल सिंह गर्ब्याल, श्रीराम सिंह धर्मशक्तू, क्रान्ति जोशी सहित वक्ताओं ने वरिष्ठ कथाकार पत्रकार स्व. आनन्द बल्लभ उप्रेती का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने निडरता के साथ जनपक्षीय पत्रकारिता की और हिमालय की संस्कृति के लिये कभी समझौता नहीं किया। साथ ही दारमा घाटी की महान दानवीरांगना जसुली बूढ़ी शौक्याणी का स्मरण करते हुए उनके द्वारा बनवाई गई धर्मशालाओं को संरक्षित करने और पड़ावों की प्रचीन परम्पराओं को संजोए रखने की अपील की। शोध पत्र वाचकों ने 'भोटिया पड़ाव' शब्द की सार्थकता को बनाए रखने की बात कही।

संगोष्ठी के विषय 'हिमालयी संस्कृति और लला जसुली' पर व्याख्यान देने के लिये राजकीय महाविद्यालय मालधन, रामनगर से पधारे आधार वक्ता प्रोफेसर जी.सी. पन्त ने कहा भारतवर्ष में आर्यों के आगमन के पूर्व से शौका समुदाय लगभग पूर्व वैदिक काल से हिमालय की गोद में भीषण तम भौगोलिक परिस्थितियों में भी न केवल अपना अस्तित्व बनाए रख सका बल्कि अपनी गौरवमयी अतीत की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखने में भी सफल रहा है। मारछा, तोलछा, रोंगपा, जाड़ तथा शौका समुदाय ने प्रकृति से तादात्म्य स्थापित करते हुए इस क्षेत्र में एक समानान्तर सभ्यता को यहां विकसित किया। इन प्रकृति पुत्रों एवं पुत्रियों का जीवन और धर्म प्रकृति ही होकर रह गया। उत्तराखण्ड या भारतवर्ष ही नहीं बल्कि विश्व की किसी भी आदिम जाति समूह में मध्य हिमालय निवासी इस शौका समुदाय जैसी जीवटता, उद्यमशीलता, प्रगति शीलता तथा विशिष्ट संस्कृति के साथ भीषण तम भौगोलिक परिस्थितियों और प्रतिकूल जलवायु में खुशी से जीने की कला के साथ पौराणिक काल से ही व्यापार के जरिए अपने कठिनतम जीवन को खुशहाल बनाने में माहिर यह मानव समुदाय अपनी कुशाग्र बुद्धि, कड़ी मेहनत और जन्मजात विनम्रता के कारण अन्य मानव समुदायों से अपने को सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने में सदा सफल रहा है।

स्वतंत्रता से पूर्व पंडित नैनसिंह , किशन सिंह और मणिकंपासी जैसे सरवेयर इसी माटी में पैदा हुए। दान वीरांगना जसुली देवी शौक्याण जिन्होंने लगभग 300 धर्मशालाएं कुमाऊँ, गढ़वाल एवं नेपाल के पैदल मार्गों में बनवाई। जिनके अवशेष आज भी यहाँ पाए जाते हैं। गौरा देवी, बछेंद्री पाल, चन्द्रप्रभा एतवाल तथा गंगोत्री गरब्याल जैसी नन्दा देवी की पुत्रियों ने पर्वत राज हिमालय की गोद का मान बढ़ाया है। ये शौका भेड़, बकरियों, घोड़े, चंवर गाय एवं अपने अन्यतम साथी झुपुआ कुत्ते के साथ पर्वतों, घाटियों दर्रों को पार करते हुए 1962 से पहले तिब्बती मण्डियों में जाकर व्यापार करते थे। यह मानव समुदाय वस्तु विनिमय में पारंगत था। उनकी एक सांकेतिक भाषा भी हुआ करती थी।

1959 में दलाई लामा के स्व निर्वासन, 1962 के चीनी आक्रमण ने इन पर्वत पुत्र-पुत्रियों का व्यापारिक जीवन मानो ठप सा कर दिया। रही सही कसर पूरी कर दी वन्य जीव अभयारण्यों ने।

उत्तराखण्ड राज्य की सीमा के अन्तर्गत कई ऐसे स्थान हैं जो इस मानव समुदाय के श्रम एवं संघर्ष के साथ व्यावसायिक तथा व्यापारिक बुद्धि के परिचायक हैं।

प्राय: उस समय इन छोटी-छोटी व्यापारिक मण्डियों को शौकाथल कहा जाता था। अंग्रेजों के कुमाऊं एवं गढ़वाल में अपनी कमिश्नरियां स्थापित कर लेने के बाद इस मानव समूह को भोटिया कहने का प्रचलन चल पड़ा। अपने व्यवसाय तथा व्यापार के लिए यह मानव समुदाय जहां-जहां पड़ाव डालता था उस स्थान को भोटिया पड़ाव कहा जाने लगा। टनकपुर शहर से लगा बालखेड़ा ग्राम सभा का भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी शहर का भोटिया पड़ाव तथा रामनगर का भोटिया पड़ाव इस तथ्य के उदाहरण हैं। कही-कही इन स्थानों को शौकाथल और चौड़ नाम से भी जाना गया जैसे हल्द्वानी का लामाचौड़।

यह समाज जिन उत्तुंग शिखरों के बीच हिमालय के अन्तिम छोर में निवास करता आ रहा है वहाँ आज भी समस्याओं के पहाड़ ही पहाड़ खड़े हैं।

समारोह में एन.सी. तिवारी, नवीन चन्द्र वर्मा, राम सिंह सोनाल, प्रो.एस. डी. तिवारी, प्रो.अतुल जोशी, डॉ. देवकी नन्दन जोशी, दीवान सिंह सोनाल, धीरज उप्रेती का विशेष सहयोग था।

इन्हें मिला 'आनन्दश्री सम्मान' २०२४

डा.सी.डी.सूंठा, निदेशक उच्चशिक्षा उत्तराखण्ड, सहा. आयुक्त सेलटेक्स बागेश्वर अशोक गर्ब्याल, अध्यक्ष भू.पू. सैनिक वेलफेयर सोसाइटी बेरीनाग लक्ष्मण सिंह डांगी, सेनि. अधिकारी एवं जनसरोकारों से जुड़े राम सिंह सोनाल, लोक संस्कृति संरक्षण में अग्रणीय जीवन सिंह सीपाल, ऐतिहासिक फोटो संकलक चन्द्र सिंह सीपाल, प्रोफेसर दीपा गोबाड़ी, पत्रकार इलेक्ट्रानिक मीडिया भूपेश रावत, विनोद काण्डपाल, पत्रकार प्रिन्ट मीडिया संदीप मेवाड़ी, मोहन भट्ट, चन्दन बंगारी।

पुस्तकों का विमोचन हुआ

समारोह में प्रोफेसर पूर्णिमा भटनागर की कहानी संग्रह 'अनछुवे दरीचे', 'जिन्दगी', प्रोफेसर दीपा गोबाड़ी के कहानी संग्रह 'च्येली' और लेखक श्रीमती अमृता पाण्डे का उपन्याय 'सांझ का सूरज' का विमोचन किया गया।

पर्वतीय उत्पादों के स्टाल

मुनस्यारी हाउस की ओर से पर्वतीय उत्पादों के स्टाल लगाये गये थे। प्रयाग रावत सहित सहयोगियों ने जड़ी-बूटियों, ऊनी वस्त्रों, रिंगाल व काष्ठ की बनी सामग्रियों के बारे में जानकारी दी और बताया कि मोटे अनाज सहित पर्वतीय कुटीर उद्योग की सामग्री की दिल्ली सहित अन्य राज्यों में मांग बढ़ रही है।

उपस्थित महानुभाव

समारोह में प्रो. अतुल जोशी, प्रो.चन्द्रा खाती, डा.अनीता जोशी, डा. आशा हर्बोला, डा. जयश्री भण्डारी, डा. मीना राणा, डा. जेसी जोशी, डा. विक्रम सिंह राठौर, डा. सुमन कुमारी, डा. कल्पना साह, डा. निर्मला जोशी, डा. रोमा साह, देवेन्द्र धर्मशक्तू, मनोहर सिंह मर्तोलिया, गोपाल सिंह मर्तोलिया, रिस्की पाण्डे, प्रो. पूनम रौतेला, मोहन चन्द्र काण्डपाल, जहीर अंसारी, देव सिंह दरियाल, मोनिका किलकोटी, श्रीमती हेमा पन्त, अशोक जोशी,

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

शिवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

नवीन वर्मा
अध्यक्ष
प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल उत्तराखण्ड
ऊँकार ज्वैलर्स
शारदा मार्केट, हल्द्वानी

देवेन्द्र सिंह धर्मशक्तू
सेनि. आरएमओ
जोहार नगर, भोटिया पड़ाव
हल्द्वानी

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by-
(माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स
बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

घर से बाहर
घर का सा
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
7351285555

पूर्ण कालिक
संगीत प्रशिक्षण
केन्द्र
हिमालय संगीत शोध समिति
जे.के.पुरम्, सेक्टर डी
छोटी मुखानी
हल्द्वानी
सम्पर्क- 9411563413

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)